भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 796
गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

रुपसी विमानपत्तन से उड़ानें

796. श्री जयन्त बसुमतारीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम में बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में स्थित रुपसी विमानपत्तन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या उक्त विमानपत्तन से वर्तमान में शायद ही कोई उड़ान प्रचालित हो रही है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) उक्त विमानपत्तन से उड़ानों की बारंबारता को प्रोत्साहन देने और बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उडान) के तहत, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा प्रबंधित रूपसी हवाईअड्डे को बोली प्रक्रिया के दूसरे चरण के दौरान आरसीएस उड़ानों के विकास और परिचालन के लिए चिह्नित किया गया था। 'उड़ान' योजना के तहत इस हवाईअड्डे को 88.79 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है।

(ख): वर्तमान में, मेसर्स एलाइंस एअर रूपसी से कोलकाता और गुवाहाटी तक आरसीएस उड़ानों का परिचालन कर रही है।

(ग): 'उड़ान' योजना के तहत, अधिक गंतव्यों/स्टेशनों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के चरण आयोजित किए जाते हैं। सरकार नियमित रूप से उन मार्गों की निगरानी करती है जिन्होंने 'उड़ान' योजना के तहत परिचालन बंद कर दिया है और ऐसे मार्गों को परिचालित करने के लिए विशेष बोली प्रक्रिया के चरण आयोजित करती है।

इसके अलावा, मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। एयरलाइनें अपने बेड़े में किसी भी प्रकार के विमान को शामिल करने और अपनी इच्छानुसार सेवा प्रदान करने व परिचालन करने हेतु किसी भी बाजार और नेटवर्क का चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं। अतः यह एयरलाइन प्रचालकों पर निर्भर करता है कि वे अपनी प्रचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर देश के किसी भी हवाईअड्डे के लिए/ हवाईअड्डे से विमान सेवाएं आरंभ करने पर विचार करें।

******